Appendix- B
AC –
Item No. –

As per NEP 2020

S. R.D. S. P. Mandal's

Shri Pancham Khemraj Mahavidyalaya,
Sawantwadi-416510
(Autonomous)
Affiliated to University of Mumbai

Title of the Programme - Arts

P.G. (Hindi)

A- P.G. Diploma in **Hindi**- 2023-24

B- M.A. **Hindi** Two Year- 2023-24

C- M.A. **Hindi** One Year- 2026-27

Syllabus for

Semester- Sem I & II

Ref: GR dated 16th May, 2023 for Credit Structure of PG

(As per NEP 2020)

Sr. No.	Heading		Particulars
1	Title of program O:______________A	A	Title of the program P.G. Diploma in Hindi
	O:______________B	B	M.A. Degree in Hindi (Two Year)
	O:______________C	C	M.A. Degree in Hindi (One Year)
2	O:______________A Eligibility	A	3 Yr UG Degree with Hindi
	O:______________B Eligibility	B	3 Yr UG Degree with Hindi
	O:______________C Eligibility	C	Graduate with 4-year UG Degree (Honours, Honours with Research) with Specialization in concerned subject or equivalent academic level 6.00 OR Graduate with four years UG Degree program with maximum credits required for award of Minor degree are allowed to take up the Postgraduate program in Minor subjects provided the student has acquired the required number of credits as prescribed by the concerned Board of Studies.
3	R:_______________Duration of program		One Year (Diploma) Two Year (Degree) One Year (Degree)
4	R:_______________Intake Capacity		10
5	R:_______________Scheme of Examination		NEP 50% Internal 50% External, Semester End Examination Individual Passing in Internal and External Examination

6	**R:_______________Standards of Passing**	**40%**	
7	**Credit Structure** **R: ______________________**	**Attached herewith (Please Refer Point 5)**	
8	**Semesters**	**A**	**Sem I & II**
		B	**Sem I, II, III & IV**
		C	**Sem I & II**
9	**Program Academic Level**	**A**	**6.0**
		B	**6.0**
		C	**6.5**
10	**Pattern**	**Semester**	
11	**Status**	**New**	
12	**To be implemented from Academic Year**	**A**	**2023-24**
		B	
		C	**2026-27**

Sign of HOD / Co-ordinator **Sign of Dean**

Asso. Prof.Dr.D.G.Borde **Faculty of Arts**

Department of Hindi

Credit Structure of the Program (Sem I & II)

Post Graduate Programs in University

<table>
<tr><th rowspan="2">Year (2 Yr PG)</th><th rowspan="2">Level</th><th rowspan="2">Sem. (2 Yr)</th><th colspan="2">Major</th><th>RM</th><th>OJT / FP</th><th>RP</th><th>Cum. Cr.</th><th>Degree</th></tr>
<tr><th>Mandatory*</th><th>Electives Any one</th><th></th><th></th><th></th><th></th><th></th></tr>
<tr><td rowspan="8">I</td><td rowspan="8">6.0</td><td rowspan="4">Sem I</td><td>PGA101HNT
हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)
Credits 4</td><td>PGA104HT आधुनिक हिंदी महाकाव्य
Credits 4</td><td rowspan="4">PGA106HNT
शोध प्रविधि
Credits 4</td><td rowspan="4"></td><td rowspan="4"></td><td rowspan="4">22</td><td rowspan="4">PG Diploma (after 3 Year Degree)</td></tr>
<tr><td>PGA102HT
भारतीय काव्य शास्त्र एवं साहित्यालोचन
Credits 4</td><td rowspan="3">PGA105HT
हिंदी पत्रकारिता</td></tr>
<tr><td>PGA103HNT
हिंदी नाटक
Credits 2</td></tr>
<tr><td>PGA107HNT
भाषा विज्ञान
Credits 4</td></tr>
<tr><td rowspan="4">Sem II</td><td>PGA108HNT हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
Credits 4</td><td>PGA111HNT
सोशल मीडिया और हिंदी
Credits 4</td><td rowspan="4"></td><td rowspan="4">PGA114H NRP
Credits4</td><td rowspan="4"></td><td rowspan="4">22</td><td rowspan="4"></td></tr>
<tr><td>PGA109NT पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन
Credits 4</td><td rowspan="3">PGA112HNT
लोक साहित्य</td></tr>
<tr><td>PGA110HNT अनुवाद
Credits 2</td></tr>
<tr><td>PGA113HNT भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा
Credits 4</td></tr>
<tr><td colspan="3">Cum. Cr. For PG Diploma</td><td>28</td><td>8</td><td>4</td><td>4</td><td>-</td><td>44</td><td></td></tr>
</table>

Title of the program

(Sem. I & II)

This syllabus is applicable for

- **P. G. Diploma in Hindi (Duration 1 Year) (Total Credits: 44)**

  (Eligibility: After Three-Year UG Degree in **Hindi**)

- **P. G. Degree in Hindi (Duration: 2 Years) (Total Credits: 88)**

  (Eligibility: After Three-Year UG Degree in **Hindi**)

- **P. G. Degree in Hindi (Duration 1 Year) (Total Credits: 44)**

  (Eligibility:After Four-Year UG Degree in Hindi)

Preamble

1. **(प्रस्तावना)**

श्री.पंचम खेमराज महाविद्यालय, सावंतवाड़ी (स्वायत्त) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुरूप उच्च शिक्षा प्रणाली में समानता, दक्षता और उत्कृष्टता लाने के लिए कई उपायों को लागू करने में विश्वास करता है। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, शिक्षा-सीखने की प्रक्रिया, परीक्षा और मूल्यांकन तकनीकों को बढ़ाने और शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए कई कदमों को लागू करके शिक्षा के उच्च मानकों को सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जाते हैं।

हिंदी विश्व की सर्वाधिक बोली जाने वाली प्रमुख भाषाओं में एक है। जिसका साहित्य लगभग 1300 वर्ष पुराना है। इन तेरह सौ वर्षो में अधिकांश भारतीय जनमानस ने जो चिंतन किया, जो जीवन जिया, उनकी आस्थाओं, विश्वासों, स्वप्नों तथा नीतिमत्ताओं का साक्षात प्रमाण है हिंदी साहित्य। इस गौरवशाली भूमिका के अतिरिक्त आज रोजगार की भाषा के रुप में हिंदी बडी तेजी से विकसित होती जा रही है। जनसंचार माध्यम, सिनेमा, नाटक, विज्ञापन, राजभाषा, अनुवाद आदि के क्षेत्र में हिंदी का वर्चस्व निरंतर बढ रहा है। उच्च शिक्षा में हिंदी भाषा और साहित्य की भूमिका अब हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण होने जा रही है। ऐसे में हिंदी की स्नातकोत्तर पढाई वर्तमान शिक्षा पद्धति में बेहद जरूरी हो गई है।

भाषा केवल अभिव्यक्ति एवं संपर्क का माध्यम ही नहीं है बल्कि वह सामाजिक सोच, सामासिक संस्कृति के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत जैसे एक बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक देश की राजभाषा एवं संपर्क भाषा होने के साथ-साथ हिन्दी विभिन्न भाषा-भाषी समाजों और संस्कृतियों के बीच अंतःसंवाद तथा पारस्परिक संबंध का माध्यम भी है। हिंदी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना है।वर्तमान में हिंदी जानने वालों की संख्या करीब बारह सौ मिलियन है, यह संख्या विश्व की कुल आबादी का अठारह प्रतिशत है अर्थात विश्व का हर छठा व्यक्ति हिंदी जानता है। हिंदी भाषा की बढ़ती लोकप्रियता और प्रयोक्ताओं के कारण बाजार ने इस भाषा को अपना लिया है परिणामस्वरूप विगत दशकों में रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में हिन्दी के विद्यार्थियों के लिए विकसित हुए, नये अवसरों को ध्यान में रखकर हिन्दी विभाग ने अपने एम.ए. पाठ्यक्रम का निर्माण किया है। यह पाठ्यक्रम अपने स्वरूप एवं प्रकृति में अन्तर-अनुशासनात्मक (इंटरडिसिप्लिनरी) हैं। इन पाठ्यक्रमों में साहित्य और विभिन्न साहित्यिक विमर्शों जैसे स्त्री, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक तथा हाशिये के समाज पर केंद्रित साहित्य की विविध विधाओं, आधुनिक साहित्य सिद्धांतों, तुलनात्मक साहित्य, लोक साहित्य, संस्कृति, सिनेमा, प्रयोजनमूलक हिन्दी, अनुवाद, मीडिया एवं सोशल मीडिया अध्ययन आदि विषयों पर विशेष जोर दिया गया है तथा इन विषयों के माध्यम से विद्यार्थियों में बुनियादी भाषिक-व्याकरणिक कौशल, लेखन कौशल, पठन-पाठन कौशल, वक्तृत्व कौशल, समूह कार्य कौशल, अनुवाद कौशल, अत्याधुनिक तकनीकी कौशल, हिंदी में तकनिकी प्रयोग इत्यादि का विकास किया जाता है।

2. Aims and Objective

हिंदी की स्नातकोत्तर शिक्षा से विद्यार्थियों में एक ओर अपनी भाषा में निखारने का एक अवसर प्राप्त होगा। अपनी साहित्यिक परंपरा और भाषिक अवदान को समझने तथा उसका आधार लेकर अपने वर्तमान को संवारने का कौशल प्राप्त होगा। साहित्य के माध्यम से भारतीय मूल्य परंपरा को समझने तथा जीवन की सार्थकता को पहचानने की एक दृष्टि प्राप्त होगी।

इन नैतिक और आत्मिक उपलब्धियों के साथ ही भाषा आधारित रोजगार तथा साहित्य और जनमाध्यमों में आवश्यक कौशल विकास द्वारा अपने भविष्य और राष्ट्र के वर्तमान को संवारने का अवसर भी प्राप्त होगा।

3. Learning Outcomes

- भाषा की सही समझ और उचित प्रयोग की क्षमता का विकास।
- साहित्य के अध्ययन से भारतीय चिंतन परंपरा का सार्थक ज्ञान।
- साहित्य रसास्वादन से संवेदनशीलता तथा न्यायप्रियता का विकास।
- नाटक एवं रंगमंच के शिक्षण-प्रशिक्षण के माध्यम से मानवीय भावों तथा मनोविज्ञान की सही समझ का निर्माण।
- नाटक, रंगमंच, सिनेमा, टेलिविजन आदि जनमाध्यमों के योग्य प्रतिभा का विकास।
- अनुवाद कला के प्रशिक्षण द्वारा अन्य भाषाओं के साहित्य को हिंदी में लाकर हिंदीभाषी जनमानस का बौद्धिक एवं आत्मिक क्षितिज विस्तृत करने में सहयोग।
- भाषा आधारित रोजगार तथा प्रतियोगिता परीक्षाओं के योग्य बनने में सहायक।

4. Others

हिंदी भाषा वर्तमान में बाजार की भाषा बन चुकी है जिसमें भाषा आधारित रोजगार की अपार संभावनाएं है।

Details of Course and Credit Structure:

Semester	Level	Nature of Course	No. of Courses	Total Credit	
I	6.0	Core Course	04	3X4 = 12 2X1 = 2	22
		Elective Course	01	4X1 = 4	
		Research Methodology	01	4X1 = 4	
II		Core Course	04	3X4 = 12 2X1 = 2	22
		Elective Course	01	4X1 = 4	
		OJT/RP	01	4X1 = 4	
III	6.5	Core Course	04	3X4 = 12 2X1 = 2	22
		Elective Course	01	4X1 = 4	
		Research Project	01	4X1 = 4	
IV		Core Course	03	3X4 = 12	22
		Elective Course	01	4X1 = 4	
		Research Project	01	6X1 = 6	
Total No. of Credit: 88					

Sign of HOD / Co-ordinator **Sign of Dean**

Asso. Prof.Dr.D.G.Borde **Faculty of Arts**

Department of Hindi

5. Credit Structure of Post Graduate Programme (Sem I & II)

Shri Pancham Khemraj Mahavidyalaya, Sawantwadi
Proposed M.A. First Year Curriculum as per NEP 2020
Department of HINDI
Proposed Structure for Major/ Electives/ RM/ OJT/ FP

Semester	Paper Code	Paper Title	Type	Credits
I (Level 6.0)	PGA101HNT	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	Major	4
	PGA102HNT	भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	Major	4
	PGA103HNT	हिंदी नाटक	Major	2
	PGEA104HNT	आधुनिक हिंदी महाकाव्य	Electives	4
	PGEA105HNT	हिंदी पत्रकारिता		
	PGA106HNT	शोध प्रविधि	RM	4
	PGA107HNT	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	Major	4
II (Level 6.5)	PGA108HNT	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	Major	4
	PGA109HNT	पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	Major	4
	PGA110HNT	अनुवाद	Major	2
	PGEA111HNT	सोशल मीडिया और हिंदी	Electives	4
	PGEA112HNT	लोक साहित्य		
	PGA113HNT	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	Major	4
	PGA114HNRP	Research project	RP	4

Title of the Programme – M.A.Hindi

Letter Grades and Grade points

Semester GPA/Program CGPA/Semester Program	Percentage of Marks	Alpha- sign / letter grade result
9.00-10.00	90.00-100	O (Outstanding)
8.00-9.00≥	80.0-90.0	A+ (Excellent)
7.00-8.00	70.0-80.0	A (Very Good)
6.00-7.00	60.0-70.0	B+ (Good)
5.50-6.00	55.0-60.0	B (Above Average)
5.00-5.50	50.0-55.0	C (Average)
4.00-5.00	40.0-50.0	P (Pass)
Below 4.00	Below 40.0	F (Fail)
AB (absent)		Absent

Sign of HOD / Co-ordinator **Sign of Dean**

Asso. Prof.Dr.D.G.Borde **Faculty of Arts**

Department of Hindi

SHRI PANCHAM KHEMRAJ MAHAVIDYALAYA, SAWANTWADI(AUTONOMOUS)
DEPARTMENT OF HINDI
BOARD OF STUDIES

Sr. No.	Name of the Faculty	Name of the Institute	Designation	Email	Contact No.
1.	Dr. Devidas G. Borde	S. P. K. Mahavidyalaya, Sawantwadi	Chairman	bordedevidas2@gmail.com	9403369301
2.	Dr. Kavita S. Talekar	S. P. K. Mahavidyalaya, Sawantwadi	Member	Kavitat1216@gmail.com	9623055237
3.	Prof. Dr. Shahu D. Madhale	Gogate Jogalekar College, Ratnagiri	Expert Nominee by AC from **other College**	shahumadhale@gmail.com	9423291529
4.	Dr. Sushama Maruti Chougale	Mahavir College Kolhapur, Autonomous	Expert Nominee by AC from other University	Sushama.mandekar@gmail.com	7588490540
5.	Dr. Sunil B.Bansode	Jaysingpur college,Kolhapur	Expert Nominee by AC from other University	Sunilbansode16@gmail.com	8087303892
6.	Prof.Rupesh Patil	Vidya Vikas College Ajgaon, daily kokanshad and koknsad live Deputy editor	Representative from Industry	dhulenirupamann2011@gmail.com	7972775459
7.	Miss Gauravi Gajanan Karpe	S. P. K. Mahavidyalaya, Sawantwadi	Post Graduate Meritorious Alumini	Gauravikarpe1234@gmail.com	9322623832

Illustrative Credit Distribution Structure for Two Years/ One Year PG (M.A.)

Year (2 Year PG) Level	Sem	Major 24-28(22-26) per sem. 46-56 for two years		RM	OJT/FP	RP	Cum. Cr	Marks	Degree
		Mandatory	**Elective**						
I 6.0	I	Major 1 4 Cr Major 2 4 Cr Major 3 4 Cr Major 4 2 Cr	MEC 1 4 Cr **Or** MEC 2 4 Cr	RMC 4 Cr	NA	NA	22 Cr	**Theory**: 01 Cr. = 25 M.	**PG Diploma (After 03 Year UG Degree)**
	II	Major 1 4 Cr Major 2 4 Cr Major 3 4 Cr Major 4 2 Cr	MEC 1 4 Cr **Or** MEC 2 4 Cr	NA	OJT 1 4 Cr or FP 1 4 Cr	NA	22 Cr	**OJT/FP:** 01 Cr. = 25 M.	
	Total	**Major 28 Cr**	**MEC 08 Cr**	**RMC 04 Cr**	**OJT / RP 04 Cr**	**NA**	**44 Cr**		
	Exit Option: PG Diploma with 40 Credits After 03 Year UG Degree								
II 6.5	III	Major 1 4 Cr Major 2 4 Cr Major 3 4 Cr Major 4 2 Cr	MEC 1 4 Cr **Or** MEC 2 4 Cr	NA	NA	RP I 4 Cr	**22 Cr**	**RP I & RP II:** 01 Cr. = 25 M	**PG Degree (After 03 Year UG Degree)**
	IV	Major 1 4 Cr Major 2 4 Cr Major 3 4Cr	MEC 1 4 Cr **Or** MEC 2 4 Cr	NA	NA	RP II 6 Cr	**22 Cr**		
	Total	**Major 26 Cr**	**MEC 08 Cr**	**NA**	**NA**	**RP 10 Cr**	**44 Cr**		
Cum. Total of I & II Year		**Major 54 Cr**	**MEC 16 Cr**	**RMC 04 Cr**	**OJT/RP 04 Cr**	**RP 10 Cr**	44 + 44 = 88		**88 Credits**
	Exit Option: Two Years 04 Sem. PG Degree with 82 Credits After 03 Year UG Degree								

Abbreviations:

1. **MEC : Major Elective Course**
2. **RMC : Research Methodology Course**
3. **OJT : On Job Training (Internship/Apprenticeship)**
4. **FP : Field Project**
5. **RP : Research Project**
6. **Cum. Cr : Cumulative Credit**

SHRI PANCHAM KHEMRAJ MAHAVIDYALAYA SAWANTWADI (Autonomous)
DEPARTMENT OF HINDI
Proposed List of Major Mandatory, Major Elective, RM, OJT / FP Details of Semesters
(To be implemented from Academic Year 2026-27)

Program: PG Diploma in Arts **Class : M.A.** **Level : 6.0** **Semester : I**

Sr. No.	Course Code	Title of the Course	Category of Course	No. of Lecture Hours	No. of Lectures per Unit	Teaching Hours per week	SEE	CIE	Total Marks	No. of Credits
1	PGA101HNT	History of Hindi Literature	Major Mandatory	60	15	04	50	50	100	04
2	PGA102HNT	Indian Poetics & Criticism	Major Mandatory	60	15	04	50	50	100	04
3	PGA103HNT	Hindi Drama	Major Mandatory	30	10	02	25	25	50	02
4	PGEA104HNT	Modern Hindi Epic	Major Elective	60	15	04	50	50	100	04
5	PGEA105HNT	Journalism								
6	PGEA106HNT	Research Methodology	Major Mandatory	60	15	04	50	50	100	04
7	PGEA107HNT	Linguistics(I)	Major Mandatory	60	15	04	50	50	100	04
	Sub - Total			**330**	**85**	**22**	**250**	**250**	**550**	**22**

Mandatory

PGA101HNT	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

Sem I

NAME OF PROGRAM	M.A. (C.B.C.S.)
NAME OF THE COURSE	M.A.(HINDI)
SEMESTER	I
PAPER NAME	**History of Hindi Literature**
PAPER NO.	1
COURSE CODE	PGA101HNT
LACTURE	60
INTERNAL ASSESSMENT	50
EXTERNAL ASSESSMENT	50
CREDITS & MARKS	4 & 100

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

- विद्यार्थियों को साहित्य के विभिन्न रूपों, विधाओं, कालखंड और आंदोलनों की पहचान कराना।
- हिंदी साहित्य के इतिहास संबंधी साहित्य के विकास क्रम प्रवृत्तियों एवं परिवेश का परिचय कराना।
- साहित्य को पढ़ने के उपरांत समीक्षात्मक दृष्टि से स्थानीय और वैश्विक संदर्भों को जानने की उत्सुकता का विकास।
- समस्याओं को खोजने की योग्यता, शोध परिकल्पना और प्रश्नांकन की योग्यता ताकि जिज्ञासाओं का विभिन्न उत्तरों के माध्यम से शमन किया जा सके।

PROGRAMME OUTCOMES

- हिन्दी साहित्य के इतिहास व काल विभाजन से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों की पृष्ठभूमि व प्रवृत्तियों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- हिन्दी के पद्य व गद्य साहित्य के क्रमिक विकास को स्पष्ट करना।
- आधुनिक साहित्य की समझ व समीक्षा का विकास।

COURSE OUTCOMES

- इतिहास की समझ और इतिहास बोध की अवधारणा स्पष्ट होगी
- विगत 1300 वर्ष के मध्य -भारत के जीवन और सर्जन से परिचय
- भक्ति के उद्भव और विकास की जानकारी स्पष्ट होगी
- शृंगार, कला तथा मध्यकालीन भारतीय वैभव की पहचान होगी.

SEMESTER I (THEORY)		व्याख्यान	Cr
Paper-I: History of Hindi Literature हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	Paper Code: PGA101HNT	60	4
इकाई – 1		15	
क) इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास लेखन ख) हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा एवं पुनर्लेखन की समस्याएं ग) काल विभाजन और नामकरण			
इकाई – 2		15	
क) आदिकाल: अवधारणा, परिवेश और प्रवृत्तियां ख) आदिकालीन काव्यधाराएं- बौद्ध, जैन, सिद्ध,नाथ, रासो ग) सरहपा, विद्यापति, अमीर खुसरो			
इकाई – 3		10	
क) भक्ति आंदोलन एवं काव्य :उद्भव और विकास ख) निर्गुण काव्य: शाखाएं एवं प्रवृत्तियां- संतकाव्य एवं सूफी काव्य ग) सगुण भक्ति :शाखाएं एवं प्रवृत्तियां- रामकाव्य एवं कृष्ण काव्य			
इकाई – 4		10	
क) रीतिकाल: परिवेश, उद्भव और विकास ख) रीतिबद्ध एवं रीतिसिद्ध: कवि एवं काव्य प्रवृत्तियां ग) रीतिमुक्त: कवि एवं काव्य प्रवृत्तियां			

References

1. हिंदी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद|
2. हिंदी साहित्य का इतिहास -डॉ. नागेंद्र (संपादक), मयूर पेपर बैंक, नई दिल्ली|
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी,वाणी प्रकाशन, दिल्ली|

Mandatory

Sem I

NAME OF PROGRAM	:	M.A. (C.B.C.S.)
NAME OF THE COURSE	:	M.A.(HINDI)
SEMESTER	:	I
PAPER NAME	:	Indian Poetics & Criticism
PAPER NO.	:	2
COURSE CODE		PGA102HNT
LACTURE		60
INTERNAL ASSESSMENT		50
EXTERNAL ASSESSMENT		50
CREDITS & MARKS		4 & 100

PROGRAMME OUTCOMES

- साहित्य में काव्यांगों की भूमिका व महत्व को स्पष्ट करना।
- साहित्य में काव्यांगों की भूमिका व महत्व को स्पष्ट करना।
- पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों को स्पष्ट करना।
- काव्य शास्त्रीय साधनों के आधार पर रचनात्मकता को बढ़ावा देना।
- पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों का हिंदी साहित्य जगत में उपयोगिता व प्रासंगिकता स्पष्ट करना।

COURSE OUTCOMES

- भारतीय सौंदर्यशास्त्र की अवधारणा स्पष्ट होगी
- काव्य सृजन और रसवाद के सिद्धांतों से परिचय
- जीवन में कविता का महत्व तथा कविता की जरूरत की पहचान
- भारतीय काव्य चिंतकों की सर्जन और जीवन का परिचय
- विद्यार्थियों काव्यांग की भूमिका से परिचित होंगे तथा उसके साहित्यिक महत्व को समझ पायेंगे।
- विद्यार्थियों को रस, अलंकार व रीति संप्रदाय के सिद्धांतों व मूल स्थापनाओं का बोध होगा।

- विद्यार्थियों को रस, अलंकार व रीति संप्रदाय के सिद्धांतों व मूल स्थापनाओं का बोध होगा।
- विद्यार्थियों में पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों का बोध विकसित होगा।
- विद्यार्थी अभिजात्यवाद, स्वच्छन्दतावाद, मार्क्सवाद जैसे पाश्चात्य आलोचना के सिद्धांतों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थियों में काव्यशास्त्रीय कौशल्य का विकास होगा।

SEMESTER I (THEORY)		व्याख्यान	Cr
Paper-II: Indian Poetics & Criticism भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	Paper Code: PGA102HNT	60	4
इकाई – 1		15	
क) रस: परिभाषा, स्वरूप, रस की अवयव, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण ख) अलंकार सिद्धांत की मूल स्थापनाएं ,अलंकारों का वर्गीकरण ग) रीति: अवधारणा, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं			
इकाई – 2		15	
क) आचार्य रामचंद्र शुक्ल ख) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ग) नंददुलारे वाजपेयी			
इकाई – 3		10	
क) अभिजात्यवाद ख) स्वच्छंदवाद ग) मार्क्सवाद			
इकाई – 4		10	
विचारक :- क) प्लेटो का काव्य सिद्धांत ख) अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी एवं विरेचन सिद्धांत ग) लोंजाइनस : उदात्त संबंधी मान्यताएँ			

Reference

1. रस सिद्धांत- डॉ नगेंद्र, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, एडिशन 2019
2. काव्यशास्त्र- भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी|
3. भारतीय काव्यशास्त्र: नई व्याख्या- डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी, साहित्य भवन प्रा. लिए. इलाहाबाद|
4. हिंदी साहित्य समीक्षा- श्रीमूर्ति सुब्रह्मराय, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग|
5. हिंदी का गद्य पर्व- नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. काव्य के तत्व -आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा -लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद|
7. साहित्य विविधा- रमेश चंद्र लावनिया- अमित प्रकाशन, गाजियाबाद|
8. काव्य परिचय -राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, पुस्तक संस्थान 109/50- ए, नेहरू नगर, कानपुर|
9. भारतीय काव्य विमर्श- राम मूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 20000
10. पाश्चात्य काव्यशास्त्र: इतिहास सिद्धांत और वाद -डॉ. भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी|
11. साहित्य- विविधा- रमेशचंद्र लावनिया, अमित प्रकाशन, गाजियाबाद|
12. आचार्य रामचंद्र शुक्ल: आलोचना के नए मानदंड- भवदेय पांडेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली|

SEMESTER I (THEORY)		व्याख्यान	Cr
Paper-II: Indian Poetics & Criticism भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	Paper Code: PGA102HNT	60	4
इकाई – 1		15	
क) रस: परिभाषा, स्वरूप, रस की अवयव, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण ख) अलंकार सिद्धांत की मूल स्थापनाएं ,अलंकारों का वर्गीकरण ग) रीति: अवधारणा, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं			
इकाई – 2		15	
क) आचार्य रामचंद्र शुक्ल ख) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ग) नंददुलारे वाजपेयी			
इकाई – 3		10	
क) अभिजात्यवाद ख) स्वच्छंदवाद ग) मार्क्सवाद			
इकाई – 4		10	
विचारक :- क) प्लेटो का काव्य सिद्धांत ख) अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी एवं विरेचन सिद्धांत ग) लोंजाइनस : उदात्त संबंधी मान्यताएँ			

Paper: IV (Hindi Major)

PGA103HNT	हिंदी नाटक	**Major**	2

NAME OF PROGRAM	:	M.A. (C.B.C.S.)
NAME OF THE COURSE	:	M.A.(HINDI)
SEMESTER	:	I
PAPER NAME	:	**Hindi Drama**
PAPER NO.	:	4
COURSE CODE		PGA103HNT
LACTURE		60
INTERNAL ASSESSMENT		50
EXTERNAL ASSESSMENT		50
CREDITS & MARKS		4 & 100

Course outcome

- कला और साहित्य की प्राचीन्तम विधा से परिचय प्राप्त करना
- नाटको के विकास और रंगमंच की जानकारी प्राप्त करना
- हिंदी नाटक का तात्विक परिचय प्राप्त करना
- नाटक और रंगपंच के अंत:संबंध का ज्ञान प्राप्त करना

SEMESTER I (THEORY)		व्याख्यान	Cr
Hindi Drama (हिंदी नाटक)	Paper Code: PGA103HNT	30	2
इकाई – 1		15	
क) नाट्य और नाटक अर्थ, परिभाषा, स्वरूप ख) रंगमंच, रंगविमर्श ग) नाटक के तत्व, विशेषताए			
इकाई – 2		15	
क) प्रयोगधर्मी नाटक का स्वरूप ख) अंधा युग धर्मवीर भारती ग) अंधा युग विविध संदर्भ			

References

1. हिंदी नाटक के पाच दशक कुसुमखेमानी राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
2. हिंदी नाटक कल और आज केदार सिंह मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन दिल्ली
3. आधुनिक हिंदी नाटक गिरीश रस्तोगी ग्रंथन प्रकाशन कानपूर
4. हिंदी नाटक और रंगमंच नई दिशाये नये प्रश्न गिरीश रस्तोगी अभिव्यक्ती प्रकाशन इलाहाबाद
5. आधुनिक भारतीय नाट्यमर्श जयदेव तनेजा राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
6. हिंदी नाटककार जयनाथ नलीन आत्माराम अँड सन्स दिल्ली
7. नाट्य निबंध दशरथ ओझर नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस दिल्ली
8. हिंदी नाटक बदलते आयाम नरेंद्रनाथ त्रिपाठी विक्रम प्रकाशन दिल्ली
9. आधुनिक हिंदी नाटककार के नाटक सिद्धांत निर्मला हेमंत अक्षर प्रकाशन प्रा लि दिल्ली
10. रंग दर्शन नेहमीचंद्र जैन राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
11. हिंदी नाटक बच्चन सिंह राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
12. आधुनिक हिंदी नाटक बनविर प्रसाद शर्मा अनग प्रकाशन दिल्ली
13. नाटक विवेचनावर दृष्टी डॉक्टर मोहसीन खान अमन प्रकाशन कानपूर
14. भारतीय नाट्यशास्त्र और रंगमंच राम सागर त्रिपाठी अशोक प्रकाशन दिल्ली

Paper: III (Hindi Electives)

PGEA104HNT	आधुनिक हिंदी महाकाव्य	**Electives**	**4**

Sem I

NAME OF PROGRAM	:	M.A. (C.B.C.S.)
NAME OF THE COURSE	:	M.A.(HINDI)
SEMESTER	:	I
PAPER NAME	:	Modern Hindi Epic
PAPER NO.	:	5
COURSE CODE		PGEA104HNT
LACTURE		60
INTERNAL ASSESSMENT		50
EXTERNAL ASSESSMENT		50
CREDITS & MARKS		4 & 100

Course outcome

- महाकाव्य की भारतीय परंपरा से परिचय
- अतीत के गौरव का ज्ञान
- भारतीय संस्कृति के गौरव ग्रंथों से परिचय
- साहित्यिक संवेदना का विकास

SEMESTER I (THEORY)		व्याख्यान	Cr
आधुनिक हिंदी महाकाव्य	Paper Code: PGEA104HNT	60	4
इकाई – 1		15	
क) महाकाव्य -अर्थ, परिभाषा, स्वरूप ख) महाकाव्य की प्रमुख तत्व ग) महाकाव्य का ऐतिहासिक विकास			
इकाई – 2		15	
क) प्रियप्रवास - अयोध्या सिंह उपाध्याय ख) अयोध्या सिंह उपाध्याय: व्यक्ति एवं सृजन ग़) प्रियप्रवास की महाकाव्यात्मकता			

इकाई – 3		10	
	क) कुरुक्षेत्र (महाकाव्य)- रामधारी सिंह दिनकर(चौथ और पांचवा सर्ग), राजपाल एंड संन, नई दिल्ली ख) कुरुक्षेत्र की महाकाव्यमकता ग) दिनकर :व्यक्ति एवं सृजन		
इकाई – 4		10	
	क)महाप्रस्थान(महाकाव्य) - नरेश मेहता, लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद ख)महाप्रस्थान की महाकाव्यात्मकता ग)नरेश मेहता :व्यक्ति एवं सृजन		

References

1. काव्य के रूप- बाबू गुलाब राय
2. हिंदी महाकाव्य का स्वरूप विकास- डॉ. शंभूनाथ सिंह
3. महाकाव्य विवेचन- रांगेय राघव
4. दिनकर (जीवनी) मन्मथनाथ गुप्त
5. साकेत- मैथिलीशरण गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. कुरुक्षेत्र- दिनकर, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
7. महाप्रस्थान- नरेश मेहता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. सिद्धांत और अध्ययन- बाबू गुलाबरा

Paper: III (Hindi Electives)

MJEA105HNT	हिंदी पत्रकारिता	**Electives**	**4**

Sem I

NAME OF PROGRAM	:	M.A. (C.B.C.S.)
NAME OF THE COURSE	:	M.A.(HINDI)
SEMESTER	:	I
PAPER NAME	:	**Journalism**
PAPER NO.	:	5
COURSE CODE		MJEA105HNT
LACTURE		60
INTERNAL ASSESSMENT		50
EXTERNAL ASSESSMENT		50
CREDITS & MARKS		4 & 100

Course outcomes:

क) पत्रकारिता के स्वरूप और महत्त्व से परिचित कराना.
ख) पत्रकारिता के विविध अंगों का परिचय एवं प्रशिक्षण.
ग) अपने वर्तमान के प्रति सजगता और विश्लेषण का विकास.
क) पत्रकारिता में रोज़गार की क्षमता विकसित करना.

SEMESTER I (THEORY)		व्याख्यान	Cr
हिंदी पत्रकारिता	Paper Code: MJEA105HNT	60	4
इकाई – 1		15	
क) पत्रकारिता : उद्भव और विकास ख) हिंदी पत्रकारिता का विकास ग) स्वाधीनतापूर्व हिंदी संपादक			
इकाई – 2		15	
क) संपादन : अवधारणा, उद्देश्य तथा सामान्य सिद्धांत ख) संपादक, उपसंपादक और संवाददाता ग) संपादकीय लेखन			

इकाई – 3		10	
	क) समाचार लेखन ख) फ़ीचर लेखनः		
इकाई – 4		10	
	क) पत्रकारिता के प्रकार ख) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता		

References:

१. पत्रकार और पत्रकारिता डॉ. रमेश जैन
२. आजादी के पचासवर्ष और हिंदी पत्रकारिता डॉ. सविता चड्ढा
३. समाचार व्यवस्थापन अनंत गोपाल शेवडे
४. पत्रिका: संपादन कला डॉ. रामचंद्र तिवारी
५. मीडिया और साहित्य- सुधीश पचौरी
६. समाचार, फीचर लेखन और संपादन कला- डॉ. हरिमोहन
७. पत्रकारिता के मूल सिद्धांत डॉ. नवीनचंद्र पंत
८. आधुनिक पत्रकारिता डॉ. अर्जुन तिवारी
९. जनसंचार और पत्रकारिता डॉ. अर्जुन तिवारी
१०. पत्रकारिता मिशन से मीडियातक अखिलेश तिवारी
११. सूचना का अधिकार विष्णु राजगढ़िया, अरविंद केजरीवाल
१२. पत्रकारिता : नया दौर नए प्रतिमान - संतोष भारतीय
१३. समाचार संपादन कमल दीक्षित, महेश दर्पण
१४. भेंटवार्ता और प्रेस कॉन्फ्रेंस प्रो. नंद किशोर त्रिखा
१५. खेल पत्रकारिता - सुशील दोषी, सुरेश कौशल
१६. सूचना प्रद्योगिकी और समाचार पत्र रवीन्द्र शुक्ला

Paper: VI (Hindi RM)

PGA106HN T RM	शोध प्रविधि PGA106HNT - **Research methodology**	**RM**	**4**

SEMESTER	:	I (Major)
TITLE OF THE SUBJECT/COURSE	:	**Research Methodology**
COURSE CODE	:	PGA106HNT RM
CREDITS	:	04
DURATION	:	60 Lecture

Course outcome

- अनुसंधान का महत्व और उसकी उपयोगिता का ज्ञान
- अनुसंधान प्रक्रिया की समाज विकसित करना
- अनुसंधान प्रवृत्ती का विकास
- अनुसंधान के विविध **प्रविधी** की जानकारी

SEMESTER I (THEORY)		व्याख्यान	Cr
Research methodology शोध प्रविधी एव प्रक्रिया	Paper Code: PGA106HNT RM	60	4
इकाई – 1		10	
क) अनुसंधान का स्वरूप ख) अनुसंधान का महत्व ग) अनुसंधान के मूल तत्त्व			
इकाई – 2		10	
क) अनुसंधान के प्रकार - वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक ख) अनुसंधान और आलोचना- परस्पर संबंध तथा भेद ग) अनुसंधाता के गुण अर्हताए			
इकाई – 3		15	

	क) अनुसंधान प्रविधी - ऐतिहासिक, साहित्यशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय तथा भाषा शास्त्रीय प्रविधीया ख) अनुसंधान प्रक्रिया- विषय चयन, अनुसंधान की समस्या, पूर्ववरती संबंधित शोधकार्य का पुन: निरीक्षण, अनुसंधान की रूपरेखा, स्रोत और सामग्री, कम्प्युटर का भाषिक अनुप्रयोग, प्रश्नावली निर्माण, साक्षात्कार, सामग्रीका विवेचन विश्लेषण ग) पाठानुसंधान- पाठ संपादन- पाठ आधार, पाठ निर्णय, हस्तलेख मूल लिपी		
इकाई – 4		15	
	क) शोध प्रबंध की रूपरेखा, शीर्ष पृष्ठ ख) प्रस्तावना, अध्याय- विभाजन (शीर्षक उपशीर्षक) ग)पाद टिप्पणी, परिशिष्ट, संदर्भ सूची (आधार ग्रंथ, सहाय्यक ग्रंथ, पत्र- पत्रिकाए, शब्दकोश, वेबसाईट)		

References

१. शोध प्रविधि - डॉक्टर विनय मोहन शर्मा

२. अनुसंधान प्रक्रिया- संपादक डॉ. सावित्री सिन्हा तथा विजेंद्र स्नातक

३. अनुसंधान का विवेचन- डॉ. उदय भानु सिंह

४. अनुसंधान- डॉक्टर सत्येंद्र

५. साहित्य सिद्धांत और शोध- डॉ.आनंद प्रकाश दीक्षित

६. नवीन शोध विज्ञान- डॉ. तिलक

७. साहित्यिक शोध के सिद्धांत एव समस्या - डॉ. देवराज उपाध्याय

८. अनुसंधान का स्वरूप संपादक -डॉ सावित्री सिन्हा

९. शोध प्रवेदी और प्रक्रिया - रावत तथा खंडेलवाल

१०. अनुसंधान के मूलतत्त्व- सं. डॉ.विश्वनाथ प्रसाद

११. पाठानुसंधान - डॉ.विमलेक्षा कांती

१२. पाठानुसंधान- डॉ. कन्हैया सिंह

PGA107HNT	भाषा विज्ञान

Sem I

NAME OF PROGRAM	:	M.A. (C.B.C.S.)
NAME OF THE COURSE	:	M.A.(HINDI)
SEMESTER	:	I
PAPER NAME	:	Linguistics
PAPER NO.	:	7
COURSE CODE		PGA107HNT
LACTURE		60
INTERNAL ASSESSMENT		50
EXTERNAL ASSESSMENT		50
CREDITS & MARKS		4 & 100

PROGRAMME OUTCOMES

- भाषा विज्ञान व उसके विविध अंगों और शाखाओं को स्पष्ट करना।
- भाषा – व्यवस्था, संरचना, भाषिक प्रकार्य तथा उसकी विशेषताओं को स्पष्ट करना।
- स्वन विज्ञान व उसके उसके भेदों को स्पष्ट करना।
- प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ, आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय से अवगत कराना.
- हिन्दी में वाक्य विन्यास के नियमों को स्पष्ट करना।
- भाषा विज्ञान व व्याकरण की संकल्पनाओं का दैनंदिन जीवन में प्रयोग हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित करना।

COURSE OUTCOMES

- इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थियों को भाषा, भाषा - व्यवस्था, संरचना, भाषिक प्रकार्य तथा उसकी विशेषताओं की सामान्य जानकारी प्राप्त होगी
- विद्यार्थी भाषा विज्ञान के स्वरूप, प्रकार, स्वन परिवर्तन की दिशाओं व परिवर्तन के कारणों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे.
- भाषा एवं संप्रेषण के वैज्ञानिक पक्ष की पहचान।
- हिंदी भाषा के विकास की परंपरा की पहचान।
- भाषिक प्रयुक्तियों की जानकारी।
- भाषिक कौशल का विकास।

SEMESTER I (THEORY)		व्याख्यान	Cr
Paper-III: Linguistics **भाषा विज्ञान** एवं हिंदी भाषा	**Paper Code:** PGA107HNT	60	4
इकाई – 1		15	
	क) भाषा - परिभाषा,अभिलक्षण, ख) भाषा विज्ञान - परिभाषा, स्वरुप और व्याप्ति ग)भाषा विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र एवं दिशाएं।		
	इकाई – 2	15	
	क) ध्वनि विज्ञान - वर्गीकरण, भेद, ख) अर्थ विज्ञान -परिभाषा, अर्थ परिवर्तन के कारण ग) शब्द विज्ञान -परिभाषा, शब्दों का वर्गीकरण		
इकाई – 3		10	
	क) संसार की भाषाओं का वर्गीकरण। ख) भाषा और संप्रेषण - मानव एवं मानवेत्तर।		
इकाई – 4		10	
	क) रुप विज्ञान : रुप विज्ञान का स्वरूप ख) रुप परिवर्तन के कारण और दिशाएं।		

References

1) डॉ.भाषा विज्ञान- भोलानाथ तिवारी - किताब महल - इलाहाबाद।
2) हिंदी भाषा और लिपि- डॉ. धीरेंद्र वर्मा - हिंदुस्तानी एकेडेमी - प्रयाग।
3) हिंदी भाषा का इतिहास- डॉ. भोलानाथ तिवारी - वाणी प्रकाशन - नई दिल्ली।
4) भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र- कपिलदेव द्विवेदी- विश्वविद्यालय प्रकाश - वाराणसी।
5) भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेंद्रनाथ शर्मा, दीप्ति शर्मा - राधा कृष्ण प्रकाशन - नई दिल्ली।
6) भाषा विज्ञान के अधूनातन आयाम- डॉ.अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन - कानपुर।
7) हिंदी व्याकरण- पं.कामता प्रसाद गुरु - नागरी प्रचारिणी सभा,काशी।

प्रश्नपत्र प्रारूप

(कुल अंक – 100)

आंतरिक मूल्यांकन = 50 अंक

बाह्य मूल्यांकन = 50 अंक

आंतरिक मूल्यांकन प्रारूप (50 अंक)

Sr. No.	Particulars	Marks
1	असाइनमेंट-	25
2	युनीट टेस्ट	20
3	कक्षा में उपस्थित।	5
कुल अंक		50

बाह्य परीक्षा प्रश्नपत्र प्रारूप (50 अंक)

Sr. No.	Semester End Examination (50 Marks): **सत्रांत परीक्षा के प्रश्न पत्र का प्रारूप- कुल अंक 50 समय 2 घंटे**	Marks
1	कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से 4 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। 1 प्रश्न- 10 अंक 2 प्रश्न- 10 अंक 3 प्रश्न- 10 अंक 4 प्रश्न- 10 अंक **कुल अंक 10x4=40**	40
2	कुल 4 टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी जिनमें से 2 के उत्तर अपेक्षित है। **कुल अंक 5x2=10**	10
कुल अंक		50

प्रश्नपत्र प्रारूप

(कुल अंक – 50) आंतरिक मूल्यांकन = 25 अंक

बाह्य मूल्यांकन = 25 अंक

आंतरिक मूल्यांकन प्रारूप (25 अंक)

Sr. No.	Particulars	Marks
1	असाइनमेंट	10
2	युनिट टेस्ट	10
3	कक्षा में उपस्थित	5
	कुल अंक	25

Sr. No.	Semester End Examination (25Marks): **सत्रांत परीक्षा के प्रश्न पत्र का प्रारूप- कुल अंक 25 समय 1 घंटे**	Marks
1	कुल 3 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से 2 प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है। 2 प्रश्न- 10अंक **कुल अंक 10x2=20**	20
2	कुल 3 टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी जिनमें से 1 का उत्तर अपेक्षित है। **कुल अंक 5x1=05**	05
	कुल अंक	25

S. Z. S. P. Mandal's

Shri Pancham Khemraj Mahavidyalaya, Sawantwadi-416510 (Autonomous)

Affiliated to University of Mumbai

Title of the Programme - Arts

P.G. (Hindi)

A- P.G. Diploma in **Hindi-** 2023-24

B- M.A. **Hindi** Two Year- 2023-24

C- M.A. **Hindi** One Year- 2027-28

Syllabus for

Semester- Sem II

Ref: GR dated 16th May, 2023 for Credit Structure of PG

SHRI PANCHAM KHEMRAJ MAHAVIDYALAYA SAWANTWADI (Autonomous)

DEPARTMENT OF HINDI

Proposed List of Major Mandatory, Major Elective, RM, OJT / FP Details of Semesters

(To be implemented from Academic Year 2026-27)

Program: PG Diploma in Arts **Class : M.A.** **Level : 6.0** **Semester : II**

Sr. No.	Course Code	Title of the Course	Category of Course	No. of Lecture Hours	No. of Lectures per Unit	Teaching Hours per week	SEE	CIE	Total Marks	No. of Credits
1	PGA108HNT	History of Hindi Literature-Modern Age	Major Mandatory	60	15	04	50	50	100	04
2	PGA109HNT	Western Poetics & Criticism	Major Mandatory	60	15	04	50	50	100	04
3	PGA110HNT	Translation	Major Mandatory	30	10	02	25	25	50	02
4	PGEA111HNT	Social Media& Hindi	Major Elective	60	15	04	50	50	100	04
5	PGEA112HNT	Folk Literature								
6	PGA113HNT	Linguistics (II)	Major Mandatory	60	15	04	50	50	100	04
7	PGA114HNRP	Research project	RP	60	15	04	50	50	100	04
	Sub - Total			**330**	**85**	**22**	**250**	**250**	**550**	**22**

Mandatory

PGA108HNT	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	Major	4

Sem I

NAME OF PROGRAM	M.A. (C.B.C.S.)
NAME OF THE COURSE	M.A.(HINDI)
SEMESTER	II
PAPER NAME	**History of Hindi Literature** (modern age)
PAPER NO.	1
COURSE CODE	**PGA108HNT**
LACTURE	60
INTERNAL ASSESSMENT	50
EXTERNAL ASSESSMENT	50
CREDITS & MARKS	4 & 100

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

- विद्यार्थियों को साहित्य के विभिन्न रूपों, विधाओं, कालखंड और आंदोलनों की पहचान कराना।
- हिंदी साहित्य के इतिहास संबंधी साहित्य के विकास क्रम प्रवृत्तियों एवं परिवेश का परिचय कराना।
- साहित्य को पढ़ने के उपरांत समीक्षात्मक दृष्टि से स्थानीय और वैश्विक संदर्भों को जानने की उत्सुकता का विकास।
- समस्याओं को खोजने की योग्यता, शोध परिकल्पना और प्रश्नांकन की योग्यता ताकि जिज्ञासाओं का विभिन्न उत्तरों के माध्यम से शमन किया जा सके।

PROGRAMME OUTCOMES

- हिन्दी साहित्य के इतिहास व काल विभाजन से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों की पृष्ठभूमि व प्रवृत्तियों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- हिन्दी के पद्य व गद्य साहित्य के क्रमिक विकास को स्पष्ट करना।
- आधुनिक साहित्य की समझ व समीक्षा का विकास।

COURSE OUTCOMES

- इतिहास की समझ और इतिहास बोध की अवधारणा स्पष्ट होगी
- विगत 1300 वर्ष के मध्य -भारत के जीवन और सर्जन से परिचय
- भक्ति के उद्भव और विकास की जानकारी स्पष्ट होगी
- शृंगार, कला तथा मध्यकालीन भारतीय वैभव की पहचान होगी.

SEMESTER I (THEORY)		व्याख्यान	Cr
Paper-I: History of Hindi Literature हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	Paper Code: PGA108HNT	60	4
इकाई – 1		15	
क) आधुनिक हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि ख) आधुनिक काल: अवधारणा और स्वरूप ग) आधुनिक काल की वैचारिक पृष्ठभूमि			
इकाई – 2		15	
क) भारतेंदु युग ख) द्विवेदी युग ग) छायावाद			
इकाई – 3		10	
क) प्रगतिवाद और प्रयोगवाद ख) नई कविता ग) समकालीन कविता			
इकाई – 4		10	
क) हिंदी उपन्यास का विकास ख) हिंदी कहानी का विकास ग) हिंदी आलोचना का विकास			

References

1. हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास भाग-भाग आठ, नौ और दस नागरिक प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉक्टर नागेंद्र
3. हिंदी गद्य साहित्य- डॉ. रामचंद्र तिवारी
4. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल- श्री नारायण चतुर्वेदी

Mandatory

PGA109HNT	पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	Major	4

Sem II

NAME OF PROGRAM	:	M.A. (C.B.C.S.)
NAME OF THE COURSE	:	M.A.(HINDI)
SEMESTER	:	II
PAPER NAME	:	Western Poetics &Criticism
PAPER NO.	:	2
COURSE CODE		**PGA109HNT**
LACTURE		60
INTERNAL ASSESSMENT		50
EXTERNAL ASSESSMENT		50
CREDITS & MARKS		4 & 100

PROGRAMME OUTCOMES

- साहित्य में काव्यांगों की भूमिका व महत्व को स्पष्ट करना।
- साहित्य में काव्यांगों की भूमिका व महत्व को स्पष्ट करना।
- पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों को स्पष्ट करना।
- काव्य शास्त्रीय साधनों के आधार पर रचनात्मकता को बढ़ावा देना।
- पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों का हिंदी साहित्य जगत में उपयोगिता व प्रासंगिकता स्पष्ट करना।

COURSE OUTCOMES

- पाश्चात्य साहित्य चिंतन और दर्शन का परिचय
- विकेट 2000 वर्षों के पाश्चात्य ज्ञान और साहित्य चिंतन के अंतर संबंध का परिचय
- साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचय प्राप्त करना
- साहित्य का अंतर अनुशासनिक अनुशीलन

SEMESTER II (THEORY)			व्याख्यान	Cr
Paper-II: पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन		Paper Code: PGA109HNT	60	4
इकाई – 1			15	
	क) वक्रोक्ति सिद्धांत- अवधारणा प्रकृति एवं अभिव्यंजनावाद ख) ध्वनि सिद्धांत- स्वरूप, प्रमुख रचनाएं ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद ग) औचित्य सिद्धांत- प्रमुख स्थापनाएं			
	इकाई – 2		15	
	क) डॉ रामविलास शर्मा ख) डॉ नागेंद्र ग) डॉ. नामवर सिंह			
इकाई – 3			10	
	क)मैथ्यू अर्नाल्ड- काव्य आलोचना विलियम्स वर्ड्सवर्थ कवि चेतना और काव्य भाषा ख) इलियट- परंपरा की परिकल्पना और व्यक्तिक प्रज्ञा निर्वयक्ति का सिद्धांत वस्तुनिष्ठ समीकरण ग)आई रिचर्ड्स- व्यवहारिक आलोचना राकात्मक अर्थ संवेगो का संतुलन संप्रेषण			
इकाई – 4			10	
	क)मनोविश्लेषणवाद ख)अस्तित्ववाद ग)उत्तर आधुनिकतावाद			

References

1. रस सिद्धांत- डॉ नगेंद्र नेशनल, पब्लिकेशन हाउस, एडिशन 2019
2. काव्यशास्त्र -भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी|
3. भारतीय काव्यशास्त्र: नई व्याख्या- डॉ राममूर्ति त्रिपाठी, साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहाबाद|
4. कला की जरूरत- राजकमल प्रकाशन-अन्सर्ट फिशर, अनुवाद -रमेश उपाध्याय
5. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज -राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली|
6. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत(द्वितीय भाग) गोविंद त्रिगुणायत, एस चंद एंड कंपनी (प्रा.) रामनगर, नई दिल्ली

Paper: IV(Hindi Major)

PGA110HNT	अनुवाद	**Major**	**2**

NAME OF PROGRAM	:	M.A. (C.B.C.S.)
NAME OF THE COURSE	:	M.A.(HINDI)
SEMESTER	:	II
PAPER NAME	:	Translation
PAPER NO.	:	4
COURSE CODE		PGA110HNT
LACTURE		60
INTERNAL ASSESSMENT		50
EXTERNAL ASSESSMENT		50
CREDITS & MARKS		4 & 100

Course outcome

- भाषा की प्रकृती तथा ज्ञान
- अनुवाद कौशल तथा प्रशिक्षण
- भारतीय भाषाओं की समृद्धी मे योगदान
- विविध भाषा में ज्ञान- विज्ञान को संभव बनाना

SEMESTER I (THEORY)		व्याख्यान	Cr
अनुवाद	Paper Code: PGA110HNT	30	2
इकाई – 1		15	
क)अनुवाद -अवधारणा, परिभाषा ख) अनुवाद का स्वरूप ग) अनुवाद के अंग			
इकाई – 2		15	
क) पद्यानुवाद - तात्पर्य, आवश्यकता ख) गद्यनुवाद - तात्पर्य, आवश्यकता ग) कार्यालयि अनुवाद - तात्पर्य समस्या समाधान			

references

१. अनुवाद विज्ञान -डॉ. भोलानाथ तिवारी

२. अनुवाद की व्यावहारिक समस्याए -डॉ. भोलानाथ तिवारी

३. अनुवाद कला- श्री चारुदेव शास्त्री

४. अनुवादकला -कुछ विचार &आनंद प्रकाश खेमानी

५. अनुवाद प्रक्रिया डॉ. रीता रानी पालीवाल

६. साहित्याची भाषा -भालचंद्र नेमाडे

७. अंग्रेजी हिंदी व्याकरण - सुरजभान सिंह

८. अनुवादक कला: सिद्धांत और प्रयोग - कैलास चंद्र भाटिया

९. अनुवाद सिद्धांत की रुप रेखा - सुरेशकुमार

१०. मशीनी अनुवाद- ऋषभ जैन

११. अनुवाद भाषाए -समस्याए डॉ.ई. विश्वनाथ अय्यर

१२. Computer aided translation Technology - Lynne Bouquer

१३. Translation and understanding -Shailendra Kumar Singh

१४. अनुवाद का समकाल - डॉ. मोहसीन खान

Electives

PGEA111HNT	सोशल मीडिया और हिंदी	Electives	4

Sem II

NAME OF PROGRAM	:	M.A. (C.B.C.S.)
NAME OF THE COURSE	:	M.A.(HINDI)
SEMESTER	:	II
PAPER NAME	:	Social Media
PAPER NO.	:	5
COURSE CODE		PGEA111HNT
LACTURE		60
INTERNAL ASSESSMENT		50
EXTERNAL ASSESSMENT		50
CREDITS & MARKS		4 & 100

COURSE OUTCOMES

- सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में हिंदी की भूमिका स्पष्ट करना
- सूचना प्रौद्योगिकी की प्रविधि एवं प्रक्रिया की जानकारी
- रोजगारपरक हिंदी के विकास की संभावनाएं तलाशना
- सोशल मीडिया की सामाजिकता की पड़ताल

SEMESTER II (THEORY)		व्याख्यान	Cr
Paper-II: सोशल मीडिया और हिंदी	Paper Code: PGA111HNT	60	4
इकाई – 1		15	
क) सोशल मीडिया का स्वरूप, प्रकार ख) फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम में हिंदी ब्लॉगिंग और हिंदी क) सोशल नेटवर्किंग साइड और विज्ञापन			
इकाई – 2		15	
क) सोशल मीडिया के प्रभाव-राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक ख) सोशल मीडिया के प्रभाव-युवाओं पर, बच्चों पर, महिलाओं और वृद्धों पर ग)सोशल मीडिया - मुक्त अभिव्यक्ति और सोशल मीडिया			
इकाई – 3		10	
क) सोशल मीडिया और हिंदी साहित्य ख) सोशल मीडिया पर कविता ग) कहानी और लघु कविता घ)व्यंग्य और अभिव्यक्ति			
इकाई – 4		10	
क) सोशल मीडिया में हिंदी का प्रसार और प्रयोग ख) सोशल मीडिया चुनौतियां ग) सोशल मीडिया और सीमाएं			

References

1. सोशल नेटवर्किंग :नए समय का संवाद -संपादक: संजय द्विवेदी, यश पब्लिकेशन, दिल्ली|
2. नए जमाने की पत्रकारिता -सौरभ शुक्ला, विस्डम विलेज पब्लिकेशंस, गुड़गांव एवं दिल्ली|
3. उत्तरआधुनिक मीडिया तकनीक- हर्षदेव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली|
4. नयी संचार प्रौद्योगिकी पत्रकारिता- कृष्ण कुमार रतू ,हरियाणा ग्रंथ अकादमी|
5. कंप्यूटर सूचना प्रणाली का विकास -राम बंसल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
6. मीडिया समग्र- डॉ अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली|
7. जनसंचार और मीडिया लेखन- दत्तात्रेय मुरूमकर, प्रकाशन संस्थान ,नई दिल्ली|

MJEA112HNT	Folk Literatureलोक साहित्य	**Electives**	**4**

NAME OF PROGRAM	:	M.A. (C.B.C.S.)
NAME OF THE COURSE	:	M.A.(HINDI)
SEMESTER	:	II
PAPER NAME	:	Folk Literature
PAPER NO.	:	5
COURSE CODE		**MJEA412HNT**
LACTURE		60
INTERNAL ASSESSMENT		50
EXTERNAL ASSESSMENT		50
CREDITS & MARKS		4 & 100

Course outcomes:

क) मानव और संस्कृति के अंतःसंबंध की समझ विकसित करना.

ख) मानव सभ्यता के विकास और उसकी आस्था और विश्वासों की सही जानकारी.

ग) आदिम मानव की संवेदनाओं का ज्ञान.

घ) कला और संस्कृति के विकास में लोक की भूमिका स्पष्ट करना.

SEMESTER VIII(THEORY)		व्याख्यान	Cr
Paper-II: Folklore	Paper Code: MJEA112HNT	60	4
इकाई – 1		15	
क) लोक साहित्य अवधारणा, परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व ख) लोक साहित्य और लोक संस्कृति ग) लोक साहित्य के प्रकार			
इकाई – 2		15	
क) लोक गीत - संस्कार, व्रत, ऋतु, श्रम ख) लोक नाट्य - स्वांग, यक्षगान, भवाई, माच, तमाशा, नौटंकी, जात्रा ग) लोक गाथा - भारतीय लोकगाथा लोकगाथाओं का			

इकाई – 3		10	
	क) लोक कथा व्रत कथा, परिकथा, बोध कथा, कथा रुढ़ि ख) लोकोक्तियाँ ग) लोक साहित्य और मिथक		
इकाई – 4		10	
	क) लोक साहित्य का समाजशास्त्र ख) लोक साहित्य और मनोविज्ञान ग) लोक साहित्य और धर्म		

References:

१. लोक साहित्य की रुपरेखा डॉ. दुर्गा भागवत

२. लोक साहित्य डॉ. सुरेशचंद्र त्यागी

३. लोक साहित्य के प्रतिमान डॉ. कुंदनलाल उप्रेती

४. लोक साहित्य और संस्कृति डॉ. दिनेश्वर प्रसाद

५. मानव और संस्कृति - डॉ. श्यामाचरण दूबे

Paper: III (Hindi Major)

PGA113HNT	(भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा)

Sem II

NAME OF PROGRAM	:	M.A. (C.B.C.S.)
NAME OF THE COURSE	:	M.A.(HINDI)
SEMESTER	:	II
PAPER NAME	:	Linguistics
PAPER NO.	:	3
COURSE CODE		PGA113HNT
LACTURE		60
INTERNAL ASSESSMENT		50
EXTERNAL ASSESSMENT		50
CREDITS & MARKS		4 & 100

PROGRAMME OUTCOMES

- भाषा विज्ञान व उसके विविध अंगों और शाखाओं को स्पष्ट करना।
- भाषा – व्यवस्था, संरचना, भाषिक प्रकार्य तथा उसकी विशेषताओं को स्पष्ट करना।
- स्वन विज्ञान व उसके उसके भेदों को स्पष्ट करना।
- प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ, आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय से अवगत कराना.
- हिन्दी में वाक्य विन्यास के नियमों को स्पष्ट करना।
- भाषा विज्ञान व व्याकरण की संकल्पनाओं का दैनंदिन जीवन में प्रयोग हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित करना।

COURSE OUTCOMES

- भाषा एवं संप्रेषण के वैज्ञानिक पक्ष की पहचान।
- हिंदी भाषा के विकास की परंपरा की पड़ताल।
- भाषिक प्रयुक्तियों की जानकारी।
- भाषिक कौशल का विकास।

SEMESTER II (THEORY)			व्याख्यान	Cr
Paper-III: Linguistics (भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा)		**Paper Code:**PGA113HNT	60	4
इकाई – 1			15	
	क) वाक्य विज्ञान : परिभाषा, तत्व, वाक्य के भेद ख) अर्थ परिवर्तन : अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, ग) अर्थ परिवर्तन: अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं।			
	इकाई – 2		15	
	क) हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं और उनकी विशेषताएं, ख) मध्यकालीन भारतीय भाषाओं की विशेषताएं, ग) आधुनिक भारतीय भाषाएं और उनका वर्गीकरण।			
इकाई – 3			15	
	क) हिंदी भाषा की बोलियां। ख) अवधी स्वरूप एवं विशेषताएं। ग) ब्रज स्वरूप एवं विशेषताएं ड) खड़ी बोली स्वरूप एवंविशेषताएं			
इकाई – 4			15	
	क) समाज, संस्कृति और भाषा। ख) भाषा, उपभाषा और बोली। ग) देवनागरी लिपि एवं हिंदी का मानकीकरण			

References

1) डॉ.भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी - किताब महल - इलाहाबाद।
2) हिंदी भाषा और लिपि - डॉ. धीरेंद्र वर्मा - हिंदुस्तानी एकेडेमी - प्रयाग।
3) हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी - वाणी प्रकाशन - नई दिल्ली।
4) भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी - विश्वविद्यालय प्रकाश - वाराणसी।
5) भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेंद्रनाथ शर्मा,दीप्ति शर्मा - राधा कृष्ण प्रकाशन - नई दिल्ली।
6) भाषा विज्ञान के अधूनातन आयाम - डॉ.अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन - कानपुर।
7) हिंदी व्याकरण - पं.कामता प्रसाद गुरु - नागरी प्रचारिणी सभा,काशी।
8) सामान्य भाषा विज्ञान - डॉ. बाबूराम सक्सेना - हिंदी साहित्य सम्मेलन - प्रयाग।
9) व्यवहारिक हिंदी व्याकरण - रामचंद्र कपूर - प्रभात प्रकाशन - नई दिल्ली।
10) आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत - डॉ.राम किशोर शर्मा - लोक भारती प्रकाशन - नई दिल्ली।
11) हिंदी शब्दानुशासन - आचार्य किशोरीदास वाजपेयी - नागरी प्रसारण सभा - काशी।
12) मानक हिंदी व्याकरण - डॉ. पृथ्वीनाथ पांडेय - जयभारती प्रकाशन - इलाहाबाद।

प्रश्नपत्र प्रारूप

(कुल अंक – 100)

आंतरिक मूल्यांकन = 50 अंक

बाह्य मूल्यांकन = 50 अंक

आंतरिक मूल्यांकन प्रारूप (50 अंक)

Sr. No.	Particulars	Marks
1	असाइनमेंट-	25
2	युनीट टेस्ट	20
3	कक्षा में उपस्थित	5
कुल अंक		50

बाह्य परीक्षा प्रश्नपत्र प्रारूप (50 अंक)

Sr. No.	Semester End Examination (50 Marks): **सत्रांत परीक्षा के प्रश्न पत्र का प्रारूप- कुल अंक 50 समय 2 घंटे**	Marks
1	कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से 4 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। 1 प्रश्न- 10 अंक 2 प्रश्न- 10 अंक 3 प्रश्न- 10 अंक 4 प्रश्न- 10 अंक **कुल अंक 10x4=40**	40
2	कुल 4 टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी जिनमें से 2 के उत्तर अपेक्षित है। **कुल अंक 5x2=10**	10
	कुल अंक	50

प्रश्नपत्र प्रारूप

(कुल अंक – 50) आंतरिक मूल्यांकन = 25 अंक

बाह्य मूल्यांकन = 25 अंक

आंतरिक मूल्यांकन प्रारूप (25 अंक)

Sr. No.	Particulars	Marks
1	असाइनमेंट	10
2	युनिट टेस्ट	10
3	कक्षा में उपस्थित	5
	कुल अंक	25

Sr. No.	Semester End Examination (25Marks): **सत्रांत परीक्षा के प्रश्न पत्र का प्रारूप- कुल अंक 25 समय 1 घंटे**	Marks
1	कुल 3 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से 2 प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है। 2 प्रश्न- 10अंक **कुल अंक 10x2=20**	20
2	कुल 3 टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी जिनमें से 1 का उत्तर अपेक्षित है। **कुल अंक 5x1=05**	05
	कुल अंक	25

शोध परियोजना परीक्षा योजना (Scheme of Examination) :

प्रस्तुतीकरण (Presentation) एवं मौखिक परीक्षा (Viva) : 50अंक

शोध परियोजना (Project) : 50अंक

कुल परियोजना मूल्यांकन : 50 + 50 = 100 अंक

सतत आंतरिक मूल्यांकन (Continuous Internal Evaluation - CIE): 50 अंक

क्र.सं.	मूल्यांकन का घटक	अंक
01	प्रस्तुतीकरण (Presentation)	30अंक
02	मौखिक परीक्षा (Viva Voce)	20अंक
	कुल	**50 अंक**

बाह्य मूल्यांकन (External Evaluation): 50 अंक

क्र.सं.	मूल्यांकन का घटक	अंक
01	संपूर्ण शोध परियोजना	50 अंक
	कुल	**50 अंक**

- शोध परियोजना के विषय (Research Project Topics)
- शोध परियोजना संबंधी नियम (Guidelines)
- शोध परियोजना प्रमुख विषय (Major Subject) से संबंधित होगी।
- शोध निर्देशक (Guide) विद्यार्थियों को उनके अध्ययन क्षेत्र के अनुरूप शोध-विषय आवंटित करेंगे।
- शोध रिपोर्ट 50 से 80 टंकित (Typed) पृष्ठों की होगी।
- शोध रिपोर्ट में निम्नलिखित घटक अनिवार्य होंगे—

आवरण पृष्ठ (Cover Page)

प्रमाण-पत्र (Certificate)

घोषणा (Declaration)

आभार (Acknowledgement)

अनुक्रमणिका (Contents)

प्रस्तावना / परिचय (Introduction)

साहित्य समीक्षा (Review of Literature)

शोध समस्या एवं उद्देश्य
शोध पद्धति (Research Methodology)
तथ्य संकलन / क्षेत्रीय कार्य (यदि आवश्यक हो)
विश्लेषण एवं विवेचन
निष्कर्ष एवं सुझाव
संदर्भ ग्रंथ सूची (Bibliography)
परिशिष्ट (Appendix), यदि आवश्यक हो।

- शोध परियोजना व्यक्तिगत (Individual) अथवा अधिकतम पाँच विद्यार्थियों के समूह (Group of up to 5 Students) में की जा सकती है।
- प्रत्येक विद्यार्थी को निर्धारित समय पर प्रस्तुतीकरण (Presentation) एवं मौखिक परीक्षा (Viva-Voce) में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा।
- शोध कार्य में मौलिकता, संदर्भों का उचित उल्लेख तथा शैक्षणिक नैतिकता (Academic Integrity) का पालन आवश्यक होगा।